



समर में मेकअप से दें खुद को कूल लुक

गर्मियों का मौसम आते ही स्किन केयर और मेकअप रूटीन दोनों में बदलाव जरूरी हो जाता है। तेज धूप, पसीना, धूल और बढ़ती ऑयल प्रोडक्शन की वजह से मेकअप जल्दी पिघल जाता है और चेहरा डल दिखने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि हम ऐसा मेकअप करें जो हल्का, फ्रेश, स्किन-फ्रेंडली और लंबे समय तक टिकने वाला हो। हम जानेंगे कि गर्मियों में कैसा मेकअप करना चाहिए, न्यूड मेकअप को कैसे परफेक्ट तरीके से कैरी करें और किन नई टिप्स को अपनाकर आप अपने लुक को और बेहतर बना सकती हैं।



नूर हिना खान लेखिका

स्किन प्रैप है सबसे जरूरी
गर्मियों में मेकअप से पहले स्किन को सही तरीके से तैयार करना सबसे अहम स्टेप है।

- सबसे पहले माइल्ड फेस वॉश या जेल बेस्ड क्लींजर से चेहरा साफ करें।
- उसके बाद अल्कोहल-फ्री टोनर लगाएं, जिससे पोर्स टाइट रहें।
- लाइट, ऑयल-फ्री मॉइश्चराइजर लगाएं और सबसे जरूरी सनस्क्रीन जरूर लगाएं।
- बाहर निकलने से 15-20 मिनट पहले सनस्क्रीन लगाना न भूलें। स्किन जितनी हाइड्रेटेड और प्रोटेक्टेड होगी, मेकअप उतना ही स्मूद और टिकाऊ लगेगा।

हैवी फाउंडेशन से बचें
गर्मियों में हैवी फाउंडेशन लगाने से चेहरा केकी, पसीनेदार और ऑयली लग सकता है।

- इसके बजाय BB क्रीम या CC क्रीम का इस्तेमाल करें।
- लाइट-वेट, वाटर-बेस्ड फाउंडेशन चुनें।
- जहां जरूरत हो, वहीं कंसीलर लगाएं (स्पॉट करेक्शन)।

इससे आपका मेकअप नेचुरल, लाइट और स्किन-लाइक दिखेगा।

न्यूड मेकअप- सबसे बेस्ट ऑप्शन
गर्मियों के लिए न्यूड मेकअप लुक सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है, क्योंकि ये सिंपल, एलिगेंट और नेचुरल होता है।

कैसे करें न्यूड मेकअप

- **बेस**: हल्का व स्किन टोन से मैच करता हुआ रखें।
- **आई मेकअप**: ब्राउन, पीच, बेज या सॉफ्ट न्यूड शेड्स।
- **ब्लश**: हल्का पिंक, पीच या कोरल रखें।
- **हाईलाइटर**: बहुत हल्का, सिर्फ नैचुरल ग्लो के लिए।
- **लिपस्टिक**: न्यूड, पीच, रोज या लाइट पिंक न्यूड मेकअप का मकसद है कि आप मेकअप में भी नेचुरल और फ्रेश दिखें।

आई मेकअप हल्का रखें

- गर्मियों में स्मोकी या हैवी आई मेकअप से बचना चाहिए, क्योंकि ये जल्दी स्मज हो सकता है।
- लाइट और मैट आईशैडो यूज करें, वॉटरप्रूफ काजल और मस्कारा लगाएं, आईलाइनर पतला रखें।
- इससे आपका लुक क्लीन, फ्रेश और डे-फ्रेंडली लगेगा।

कम से कम प्रोडक्ट्स करें यूज
गर्मी में ज्यादा मेकअप करने से पसीना आता है और मेकअप जल्दी खराब हो जाता है।

मिनिमल मेकअप रखें, मल्टी-यूज प्रोडक्ट्स (जैसे लिप-एंड-चीक टिंट) का इस्तेमाल करें। "Less is more" गर्मियों के लिए सबसे परफेक्ट मंत्र है।

सेटिंग पाउडर और सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल मेकअप को लॉन्ग लास्टिंग बनाने के लिए हल्का सेटिंग पाउडर लगाएं (खासतौर पर T-zone पर) और अंत में सेटिंग स्प्रे जरूर यूज करें। इससे मेकअप पिघलेगा नहीं और पूरे दिन फ्रेश बना रहेगा।

मैट और ऑयल-फ्री प्रोडक्ट्स चुनें - गर्मियों में स्किन ज्यादा ऑयली हो जाती है, इसलिए सही प्रोडक्ट चुनना जरूरी है।

मैट फिनिश मेकअप प्रोडक्ट्स यूज करें ऑयल-फ्री और नॉन-कॉमेडोजेनिक प्रोडक्ट्स चुनें। इससे चेहरा ज्यादा शाइनी नहीं लगेगा और एक सॉफ्ट मैट लुक मिलेगा।

नई और जरूरी टिप्स

- अपने बैग में फेस मिस्ट रखें, जिससे स्किन तुरंत फ्रेश लगेगी।
- ब्लॉटिंग पेपर से एक्स्ट्रा ऑयल हटाएं, बिना मेकअप खराब किए। ये छोटे स्टेप्स आपके लुक को पूरे दिन मेटेन रखने में मदद करते हैं।

हाइड्रेशन और डाइट का रखें ध्यान
गर्मी में सिर्फ बाहर से नहीं, अंदर से भी स्किन का ख्याल रखना जरूरी है।

- ज्यादा पानी पिएं, फ्रूट्स (जैसे तरबूज, खीरा) डाइट में शामिल करें। हेल्दी स्किन पर मेकअप खुद-ब-खुद अच्छा लगता है।

गर्मियों में मेकअप का मतलब है हल्का, फ्रेश और नेचुरल लुक। हैवी और लेयर्ड मेकअप से बचते हुए अगर आप न्यूड मेकअप अपनाती हैं, तो आप बिना ज्यादा मेहनत के भी खूबसूरत और एलिगेंट दिख सकती हैं। सही स्किन प्रैप, हल्के प्रोडक्ट्स, मैट फिनिश और न्यूड टोन के साथ आप हर दिन एक परफेक्ट समर लुक पा सकती हैं।

टिप: हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से प्रोडक्ट्स चुनें, दिन में 2-3 बार फेस क्लीन रखें और जरूरत पड़ने पर मेकअप को हल्का टच-अप जरूर दें, ताकि आपका लुक पूरे दिन फ्रेश और ग्लोइंग बना रहे।



प्राइमर का करें इस्तेमाल
अक्सर लोग इस स्टेप को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन गर्मियों में प्राइमर बहुत जरूरी होता है।

- ऑयली स्किन के लिए मैटिफाइंग प्राइमर चुनें
- ड्राय स्किन के लिए हाइड्रेटिंग प्राइमर बेहतर रहेगा
- प्राइमर मेकअप को लंबे समय तक सेट रखता है और पसीने से खराब होने से बचाता है।

ओटीटी
स्वराज्य की कहानी अधूरी प्रभावशीलता

फिल्म राजा शिवाजी, छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, संघर्ष और उनके "स्वराज्य" के विचार को बड़े पैमाने पर प्रस्तुत करने की कोशिश करती है। यह केवल एक ऐतिहासिक फिल्म नहीं, बल्कि उनकी सोच, साहस और नेतृत्व को दर्शाने वाली एक सिनेमैटिक यात्रा है। निर्देशक रितेश देशमुख ने फिल्म को भव्यता और भावनात्मक गहराई के साथ पेश करने का प्रयास किया है। फिल्म का टोन गंभीर और प्रेरणादायक है, जिसमें शिवाजी महाराज की रणनीति और संघर्ष को प्रमुखता दी गई है। फिल्म का सबसे मजबूत पक्ष इसका विजुअल स्केल है। सेट डिजाइन, लोकेशन, कॉस्ट्यूम और सिनेमैटोग्राफी मिलकर एक प्रभावशाली ऐतिहासिक माहौल बनाते हैं। बैकग्राउंड स्कोर भी कई दृश्यों को और असरदार बनाता है। हालांकि, फिल्म की कमजोरी इसकी लंबाई और धीमी गति है। कई जगह कहानी खिंचती है और स्क्रीनप्ले में कसावट की कमी दिखती है। कुछ सीन अनावश्यक रूप से लंबे और ज्यादा नाटकीय लगते हैं। रितेश देशमुख का अभिनय ईमानदार है, लेकिन कुछ दृश्यों में और प्रभाव की गुंजाइश थी। सलमान खान का कैमियो आकर्षक है। कुल मिलाकर, यह फिल्म भव्य और प्रेरणादायक है, जो शिवाजी महाराज की विरासत को सम्मानपूर्वक प्रस्तुत करती है, हालांकि बेहतर संपादन इसे और प्रभावशाली बना सकता था।

समीक्षक-प्रदीप शर्मा



पति-पत्नी और वो दो रिलीज हुआ ट्रेलर

'पति-पत्नी और वो दो' के ट्रेलर के रिलीज होने से पहले, अपनी तीक्ष्ण बुद्धि और जनप्रिय हास्य शैली के लिए पहचाने जाने वाले निर्देशक मुदस्सर अजीज एक बार फिर एक भरपूर मनोरंजन करने वाली फिल्म के साथ लौट रहे हैं। अपनी लेखनी और निर्देशन से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले मुदस्सर इस बार आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी, सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह जैसे कलाकारों से सजी एक बहु-कलाकार फिल्म लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म हास्य, उलझन और रोजमर्रा की परिस्थितियों से जुड़ी एक पारिवारिक मनोरंजक कहानी होने का वादा करती है। आयुष्मान के साथ काम करने पर बात करते हुए मुदस्सर ने कहा, "मेरा मानना है कि आयुष्मान खुराना देश के सबसे

पसंदीदा ऐसे 'अच्छे इंसान' हैं, जो परिस्थितियों में फंस जाते हैं। पिछले एक दशक में इस प्रकार की फिल्मों में उनका काम उत्कृष्ट रहा है। मुझे गर्व है कि इस बार मैं उनके दर्शकों के सामने एक ऐसा आयुष्मान प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो अपनी ही परिस्थिति का समाधान भी है। प्रजापति पांडे ने स्वयं को निभाने के लिए आयुष्मान खुराना को चुना है। फिल्म श्रृंखला के बारे में बात करते हुए मुदस्सर ने 'पति पत्नी और वो दो' के विकास पर जोर दिया और संकेत दिया कि यह फिल्म अपने मूल हास्य तत्वों को बनाए रखते हुए एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करेगी। अनेक कलाकारों के साथ काम करने में दक्ष, मुदस्सर ने सेट पर कलाकारों के बीच तालमेल को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, "परिस्थिति-



आधारित हास्य में कई किरदारों की कहानी को साथ लेकर चलना एक प्रभावशाली पटकथा की मांग करता है। केवल हास्य प्रसंगों पर निर्भर न रहकर, किरदारों को परिस्थितियों में रखना जरूरी होता है, ताकि उनके चरित्र की यात्रा बनी रहे। जहां तक हास्य की लय का सवाल है, मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे इस फिल्म में 6-7 उत्कृष्ट कलाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला और इसका श्रेय उन्हें भी उतना ही जाता है, जितना मुझे। 'पति पत्नी और वो दो' अपने मूल में पारंपरिक देसी हास्य को आधुनिक अंदाज के साथ प्रस्तुत करती है, जिसमें उलझन, अफरा-तफरी और रोजमर्रा के रिश्तों से उपजे हंसी के क्षण शामिल हैं। फिल्म अपनी जड़ों से जुड़ी सादगी को बनाए रखते हुए, विचित्र किरदारों और परिस्थिति-आधारित हास्य के माध्यम से मनोरंजन को और ऊंचाई देती है, जो इसे एक आदर्श पारिवारिक फिल्म बनाती है। यह फिल्म 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। मनोरंजन से भरपूर इस यात्रा के लिए तैयार हो जाइए।

भव्यता और फैंटेसी का कॉम्बो

मिथुन मैनुअल थॉमस की डायरेक्ट की हुई और जयसूर्या स्टार मलयालम ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आडू 3: वन लास्ट राइड - पार्ट 1' ZEE5 पर स्ट्रीमिंग के लिए अवेलेबल है। इस फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट होने के कारण, जिसके बहुत बड़े फैन बेस हैं, फिल्म ने काफी चर्चा बटोरी है। इसने बॉक्स ऑफिस पर 120 करोड़ का बिजनेस किया है। आडू शब्द का मतलब बकरी है। फ्रेंचाइजी के पहले पार्ट में, शाजी पपन (जयसूर्या) और उनकी टीम रस्साकशी के खेल में एक मैच जीतते हैं और विनर के तौर पर उन्हें एक बकरी गिफ्ट में मिलती है। बकरी और टीम के कैरेक्टर्स का कॉम्बिनेशन पहले पार्ट में एक जबरदस्त कॉमेडी देता है। पहले पार्ट के बाद, शाजी पपन (जयसूर्या), अरक्कल अबू (सैजू कुरुप) और "ड्यूड" (विनायकन) के कैरेक्टर इंटरनेट कल्चर और मीम सर्कल में बहुत पॉपुलर हो गए। आडू 3 कॉमेडी से ज्यादा भव्यता और फैंटेसी को प्राथमिकता देती है। जो डाउट फिल्म हमें एंटरटेन करती है, लेकिन आडू फ्रेंचाइजी अपनी लगातार, रियलिस्टिक और मजेदार कॉमेडी के लिए जानी जाती है। 3 मं इसकी कुछ कमी है। फिल्म एक नॉन-लीनियर, मल्टी-टाइमलाइन अप्रोच का इस्तेमाल करती है, जो कैरेक्टर्स को 1700 के दशक में ले जाती है। आडू 3: वन लास्ट राइड - पार्ट 1 को एक एम्बिशियस प्रोजेक्ट के तौर पर देखा जा रहा है, जो सीरीज की जानी-माना टाइट, कैप्टिक कॉमेडी से ज्यादा भव्यता को प्राथमिकता देता है। अगर आप इन कैरेक्टर्स के डाई-हार्ड फैन हैं, तो यह फिल्म आपको एक नॉस्टैलजिक एक्सपीरियंस दे सकती है।

समीक्षा: शिवकांत पालवे



जिंदगी का सफर

74 वर्ष की उम्र में भी अपनी जीवंत उपस्थिति से दर्शकों को आकर्षित करने वाली अभिनेत्री अरुणा ईरानी हिंदी सिनेमा का एक ऐसा नाम हैं, जिन्होंने लंबे समय तक अपने अभिनय और नृत्य से दर्शकों के दिलों पर राज किया। तीन मई 1952 को मुंबई में जन्मी अरुणा ने बेहद कम उम्र में फिल्मी दुनिया में कदम रखा और देखते ही देखते सैकड़ों फिल्मों का हिस्सा बन गईं। अरुणा ईरानी ने अपने करियर की शुरुआत 1961 में गंगा जमुना से की, जिसमें उन्होंने एक बाल कलाकार के रूप में काम किया। उस समय वे मात्र 9 वर्ष की थीं। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और 300 से अधिक हिंदी फिल्मों में अभिनय किया। उनके करियर की खास पहचान उनके शानदार डांस नंबर रहे, जिनमें "चढ़ती जवानी मेरी चाल मस्तानी" और "दिलबर दिल से प्यारे" जैसे गीत आज भी लोकप्रिय हैं। फिल्म कारवां में उनके अभिनय और नृत्य को विशेष सराहना मिली, जिसने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ बॉम्बे टू गोवा में भी काम किया, जो उनके करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में गिनी जाती है। इस दौर में उनका नाम कॉमेडियन महमूद के साथ भी जोड़ा गया, जिनके साथ उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। अरुणा ईरानी न केवल एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री रहीं, बल्कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में नए कलाकारों को आगे बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाई। जितेंद्र, ऋषि कपूर, डिंपल कपाडिया, जयाप्रदा और संजय दत्त जैसे कलाकारों के शुरुआती दौर में उन्होंने सहयोग दिया। हालांकि इनमें से कई सितारे आगे चलकर सुपरस्टार बने, जबकि अरुणा का सफर मुख्यतः सहायक भूमिकाओं तक सीमित रह गया। फिर भी, उनके अभिनय को अनदेखा नहीं किया जा सकता। उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस अवॉर्ड फिल्म "पेट प्यार और पाप" और बेटा के लिए मिला। इसके अलावा 2012 में उन्हें फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। फिल्मों के साथ-साथ उन्होंने टीवी की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाई। "जमाना बदल गया" से छोटे पर्दे पर शुरुआत करने के बाद वे कहानी घर-घर की, झांसी की रानी और देखा एक ख्वाब जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में नजर आईं। अरुणा ईरानी का सफर संघर्ष, समर्पण और निरंतरता की मिसाल है, जो उन्हें हिंदी सिनेमा की एक खास और सम्मानित शख्सियत बनाता है।

